A Pratibha Spandan's Journal

CONFLUENCE OF KNOWLEDGE
(A Multidisciplinary International Peer-Reviewed/Refereed Journal)
ISSN 2320–5237 | Volume 13, Issue 03, April 2026 (Special Issue)
http://cok.pratibha-spandan.org | © The Author(s) 2026

शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन: चुनौतियाँ और अवसर

MRS. SEEMA MISHRA
LIBRARY IN-CHARGE, C.S.A. PUBLIC SCHOOL, BAREILLY
DR. YOGESH SHARMA
ASSOCIATE PROFESSOR, DEPARTMENT OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE, BAREILLY COLLEGE, BAREILLY

सार

इक्कीसवीं सदी में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) ने शिक्षा, शोध और ज्ञान प्रबंधन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन उत्पन्न किए हैं। शैक्षणिक पुस्तकालय, जो परंपरागत रूप से मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं तक सीमित माने जाते थे, अब डिजिटल सूचना केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। Library Science 5.0 की अवधारणा के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल रिपॉजिटरी, ई-संसाधन, ऑनलाइन डेटाबेस और स्वचालित सेवाएँ पुस्तकालय कार्यप्रणाली को अधिक तेज, प्रभावी और उपयोगकर्ता-केंद्रित बना रही हैं। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकता, प्रक्रिया, चुनौतियाँ और संभावित अवसरों का विस्तृत अध्ययन करना है। अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है तथा द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त साहित्य और आँकड़ों का विश्लेषण करता है। निष्कर्ष से स्पष्ट होता है कि उपयुक्त नीतियों, प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधनों के माध्यम से डिजिटल पुस्तकालय शिक्षा और शोध की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

मुख्य शब्द: *शैक्षणिक पुस्तकालयों, डिजिटल परिवर्तन*

1. प्रस्तावना

पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्था का बौद्धिक और अकादमिक केंद्र होता हैं। यह न केवल शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि शोध, नवाचार और ज्ञान प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परंपरागत पुस्तकालय सेवाएँ मुद्रित संसाधनों के संग्रह, संरक्षण और वितरण तक सीमित थीं। डिजिटल युग के आगमन के साथ सूचना की प्रकृति, स्वरूप और उपयोगिकर्ताओं की अपेक्षाएँ व्यापक रूप से बदल गई हैं। आज विद्यार्थी और शोधकर्ता त्वरित, सटीक और ऑनलाइन सूचना की अपेक्षा रखते हैं। इंटरनेट, ई-पुस्तकें, ई-जर्नल और ऑनलाइन डेटाबेस ने सूचना प्राप्ति को सरल, तेज और व्यापक बना दिया है। Library Science 5.0 की अवधारणा पुस्तकालयों को मानव-केंद्रित, तकनीक-सक्षम और सामाजिक रूप से उत्तरदायी बनाने पर जोर देती है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स और स्वचालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। डिजिटल परिवर्तन वर्तमान समय में शैक्षणिक पुस्तकालयों की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है।

2. साहित्य समीक्षा

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि डिजिटल तकनीकों के प्रयोग से पुस्तकालय सेवाओं की पहुँच और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। IFLA और UNESCO की रिपोर्टों में डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं की दीर्घकालिक संभावना, उपयोगकर्ता संतुष्टि और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में योगदान को रेखांकित किया गया है। भारतीय संदर्भ में सिंह (2022) ने Library Science 5.0 की भविष्य की पुस्तकालय व्यवस्था के रूप में वर्णित किया है, जिसमें तकनीक और मानवीय मूल्यों का संतुलन आवश्यक है। कुमार (2023) के अध्ययन के अनुसार, AI आधारित सेवाएँ जैसे चैटबॉट, अनुशंसा प्रणाली और स्वचालित अनुक्रमण पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाती हैं। साहित्य समीक्षा से यह निष्कर्ष निकलता है कि डिजिटल परिवर्तन शैक्षणिक पुस्तकालयों के सतत विकास के लिए अनिवार्य है, और इसका प्रभाव न केवल सूचना पहुँच पर, बल्कि शोध और सीखने की गुणवत्ता पर भी गहरा है।

3. अध्ययन के उद्देश्य

- शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन की अवधारणा को समझना।
- डिजिटल परिवर्तन से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों की पहचान करना।
- डिजिटल तकनीकों से उत्पन्न अवसरों का अध्ययन करना।
- Library Science 5.0 के संदर्भ में शैक्षणिक पुस्तकालयों की भूमिका का विश्लेषण करना।
- नीति निर्धारण और प्रशिक्षण आवश्यकताओं का सुझाव प्रस्तुत करना।

ISSN 2320–5237 | Volume 13, Issue 03, April 2026 (Special Issue)
http://cok.pratibha-spandan.org | © The Author(s) 2026

4. अनुसंधान पद्धति

यह अध्ययन वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। इसमें प्राथमिक आँकड़ों के स्थान पर द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया। शोध के लिए सामग्री संकलन के स्रोत:

- पुस्तकों और शोध पत्रों
- सरकारी एवं गैर-सरकारी रिपोर्टें
- IFLA और UNESCO के प्रकाशन
- विश्वसनीय ऑनलाइन डेटाबेस

संकलित जानकारी का तुलनात्मक और विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया। अध्ययन में डिजिटल परिवर्तन की प्रक्रिया, चुनौतियों और अवसरों की विस्तृत व्याख्या की गई है।

5. शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन की चुनौतियाँ

डिजिटल परिवर्तन के समक्ष कई चुनौतियाँ उपस्थित होती हैं:

वित्तीय संसाधनों की कमी

डिजिटल अवसंरचना, सॉफ्टवेयर, लाइसेंस और हार्डवेयर पर उच्च लागत।

प्रशिक्षित मानव संसाधनों की कमी

पुस्तकालय कर्मियों को नई तकनीकों और AI आधारित सेवाओं का प्रशिक्षण देना आवश्यक।

साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण

डिजिटल संसाधनों की सुरक्षा और उपयोगकर्ता डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करना।

तकनीकी असमानता और डिजिटल विभाजन

सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समान डिजिटल सुविधा उपलब्ध नहीं होना।

भाषा और उपयोगकर्ता बाधाएँ

सामग्री की भाषा और डिजाइन उपयोगकर्ताओं की विविध आवश्यकता पूरी नहीं कर पाती।

तालिका 1 शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन की प्रमुख चुनौतियाँ

चुनौती	विवरण
वित्तीय संसाधन	डिजिटल लाइब्रेरी के लिए लागत अधिक
प्रशिक्षित स्टाफ	नई तकनीकों के लिए प्रशिक्षण आवश्यक
साइबर सुरक्षा	डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करना
डिजिटल विभाजन	सभी के लिए समान सुविधा नहीं
भाषा/उपयोगकर्ता बाधाएँ	सामग्री उपयोगकर्ताओं की विविध जरूरतों को पूरा नहीं करती

6. डिजिटल परिवर्तन के अवसर (Opportunities)

डिजिटल परिवर्तन शैक्षणिक पुस्तकालयों के लिए कई अवसर प्रदान करता है:

24×7 सूचना उपलब्धता

उपयोगकर्ता किसी भी समय और स्थान से सूचना प्राप्त कर सकते हैं।

AI आधारित सेवाएँ

चैटबॉट, अनुशंसा प्रणाली, स्वचालित वर्गीकरण सेवाएँ।

डिजिटल रिपॉजिटरी और ई-संसाधन

शोध कार्य को बढ़ावा और ज्ञान संरक्षण में मदद।

CONFLUENCE OF KNOWLEDGE
(A Multidisciplinary International Peer-Reviewed/Refereed Journal)
ISSN 2320–5237 | Volume 13, Issue 03, April 2026 (Special Issue)
http://cok.pratibha-spandan.org | © The Author(s) 2026

ई-लर्निंग और ऑनलाइन कोर्स
पुस्तकालयों की भूमिका को विस्तारित करना।

डेटा एनालिटिक्स और उपयोगकर्ता अनुभव सुधार
सेवाओं को व्यक्तिगत और प्रभावी बनाना।

तालिका 2 डिजिटल परिवर्तन से प्राप्त अवसर

अवसर	विवरण
24×7 सूचना	कहीं से भी सूचना उपलब्ध
AI सेवाएँ	चैटबॉट, अनुशंसा प्रणाली, स्वचालित वर्गीकरण
डिजिटल रिपॉजिटरी	शोध कार्य में मदद और ज्ञान संरक्षण
ई-लर्निंग	ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विस्तार
डेटा एनालिटिक्स	सेवाओं को व्यक्तिगत और प्रभावी बनाना

7. नीति और प्रबंधन सुझाव

- डिजिटल अवसंरचना के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना।
- पुस्तकालय कर्मियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और capacity building।
- साइबर सुरक्षा और डेटा प्रोटेक्शन के लिए SOPs और monitoring प्रणाली।
- सभी उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल पहुँच सुनिश्चित करना।
- Library Science 5.0 आधारित प्रौद्योगिकी अपनाना और AI समाधानों का समावेश।

8. निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। डिजिटल तकनीकों और Library Science 5.0 के माध्यम से पुस्तकालय शिक्षा और शोध की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वित्त, तकनीकी और मानव संसाधन संबंधी चुनौतियों के बावजूद, उचित नीतियाँ, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग के माध्यम से समस्याओं का समाधान संभव है। भविष्य में डिजिटल परिवर्तन और AI आधारित Library Science 5.0 अवधारणा पुस्तकालयों को अधिक सशक्त, समावेशी और उपयोगकर्ता-केंद्रित बनाएगी।

संदर्भ

[1] Singh, J. (2022). Library Science in Digital Era, Ess Ess Publications, New Delhi.
[2] IFLA. (2021). Digital Libraries and Information Access.
[3] UNESCO. ICT in Education Reports.
[4] Kumar, R. (2023). Artificial Intelligence in Libraries. Atlantic Publishers & Distributors (P) Ltd.